<u>प्रेस नोट - ओएनजीसी द्वारा निर्माणाधीन दौला स्मार्टग्राम स्कूल एवं हरचंदपुर स्थित ग्रामालय में वृक्षारोपण एवं स्कूल में इस्तेमाल किये गए आधुनिक तकनीक के बारे में जानकारी का कार्यक्रम</u>

भारत के माननीय प्रधानमंत्री के "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के अंतर्गत, ओएनजीसी ने २२ सितम्बर २०१८ को "पेड़ लगाओ धरती बचाओ" पहल के तहत दौला गांव स्थित निर्माणाधीन स्मार्टग्राम विद्यालय के परिसर में एवं हरचंदपुर गांव स्थित नव निर्मित ग्रामालय के परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया | इस कार्यक्रम का प्रमोचन मुख्य अतिथि श्री मुनीश शर्मा, आईएएस; अतिरिक्त उपायुक्त गुरुग्राम के द्वारा सम्पन हुआ | ओएनजीसी ने अपने सहयोगी संगठनों - इंडियन सोसाइटी ऑफ़ एग्रीबिजनेस प्रोफेशनल्स एवं प्रशक टेक्नो इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ २०० विभिन प्रकार के पेड़ के पौधे का वृक्षारोपण किया | मुख्य अतिथि अतिरिक्त उपायुक्त श्री मुनीश शर्मा ने बढ़ते वैश्विक तापमान (ग्लोबल वार्मिंग) जो पूरे विश्व के लिये एक बड़ा पर्यावरणीय और सामाजिक मुद्दा है, उस पर विस्तृत जमकारी देते हुए ओएनजीसी एवं उनके सहयोगी संगठनों के अभियान का सराहना किया | इस अवसर पर ओएनजीसी के महाप्रबंधक, श्री डी के कालरा ने ओएनजीसी के सामाजिक जिम्मेदारी के बारे में जानकारी दिया एवं निर्माणाधीन स्मार्टग्राम विद्यालय जिसे ओएनजीसी अपने सामाजिक जिम्मेदारी के तहत वित्त पोषण प्रधान कर रही है, उसके लिए चयनित विशेष एवं प्राकृतिक प्रौद्योगिकी समाधान - " हैबिटेक-निवारातंत्र " के बारे में जानकारी दी | इंडियन सोसाइटी ऑफ़ एग्रीबिजनेस प्रोफेशनल्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री सुदर्शन सूर्यवंशी ने अपने संगठन के विभिन गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी | प्रणब मुखर्जी फाउंडेशन के डॉ कृष्णा वानखेड़े ने फाउंडेशन के स्मार्टग्राम पहल के बारे में विस्तारपूर्वक बताया| भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट प्राप्त डॉ प्रफुल नाइक जो प्रशक टेक्नो इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी है, अपने नवीन एवं आधुनिक प्रौद्योगिकी तकनीक 'हैबिटेक-निवारातंत्र" के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा की इस क्रांतिकारक तकनीक का शोध थाईलैंड देश में स्थित प्रसिद्ध एसियन इंस्टिट्यूट आफ टेक्नोलॉजी में हुआ था जिसमे दो भारतीय वैज्ञानिको, प्रोफेसर सिद्धार्थ जबड़े एवं वे स्वयं कार्यरत टीम के हिस्सा थे एवं इसकी बौद्धिक सम्पदा के निर्माण में शामिल थे जिसके पश्चात उन्होंने इसे भारत में निष्पादित किया| पूर्व राष्ट्रपति माननीय प्रणब मुखर्जी एवं उनके सचिव श्रीमती ओमिता पॉल ने तकनीक के विशेषता को देखते हुए देहरादून स्तिथ राष्ट्रपति एस्टेट में एक टेक्नोलॉजी इनोवेशन डेमोंस्ट्रेशन बिल्डिंग का निर्माण करवाया जो कम समय एवं कम लागत में सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जिसके माध्यम पर इस तकनीक को स्मार्टग्राम स्कूल के बनाने हेतु चयनित किया गया| हरचंदपुर स्तिथ ग्रामालय का निर्माण भी इसी तकनीक से किया गया जिसके लिए ऍन बी सी सी ने अपने सामाजिक जिम्मेदारी के अंतर्गत वित् पोषण प्रधान किया| इस तकनीक की मुख्य खासियत ईमारत का निर्माण स्थानीय मिटटी से बने विशेष प्रकार के ब्लॉक्स जिसमे संरचनात्मक छेद होते है जिसमे से खड़ा एवं आड़ा सुदृढीकरण लगाकर ईमारत को आपदा से सुरक्षित किया जाता है| यह इतना आसान तकनीक है की इसमें अकुशल आदमी एवं महिलाये कार्य कर सकते है एवं ईमारत का निर्माण कर सकते है| इसकी एक और मुख्य विशेषता है की इसमें प्राकृर्तिक तरीके से मल का उपचार करने की प्रणाली इस्तेमाल की जाती है| वृक्षारोपण कार्यक्रम में दौला एवं हरचंदपुर ग्राम पंचायत, ग्राम निवासी एवं स्कूल के अध्यापको व बच्चो ने बड़े ही उत्साहपूर्वक रूप में भाग लिया|